

3, 2. मृगेना कृदो वरधस्तमसि RV. 5, 31, 9. वार unbetont, also als Verbum finitum behandelt, in AV. 10, 4, 3, 4 ist, mit उग्रम्, ein dem Metrum widerstreitendes Anhängsel. — रणुः — पृथिवीं चात्तरीतं च यो चैव सहसावृणोत् *verhüllte* MBh. 3, 10970. वरीतुम् Spr. 1432. सूर्याचन्द्रमसोर्मार्गं नक्षत्राणां गतिं तथा । शैलरात्रो वृषोत्पेष विन्द्यः *versperrt, hemmt* MBh. 3, 8799. वरितुम् *abwehren* BHATT. 9, 24. वृतं *bedeckt, verhüllt, bezogen*: वर्षेषां AV. 12, 1, 52. शिशुमारोरागगणैर्मि नैरपि च चञ्चलैः । विद्युद्भिरिव विन्तिराकाशमभवद्दत्तम् ॥ R. 1, 44, 23 (43, 18 GORR.). ऋदिनीं वै तसैर्वताम् MBh. 3, 2511. स्थाने वृत्तैर्वतात्तरे H. 1115. राजमार्गं निर्वृतम् R. 2, 26, 2, 5, 16. दौर्गत्यतमसा वृतः Spr. 2905. विपत्पयोदैर्वृतम् VARĀH. BRH. S. 19, 15, 24, 17. मृत्तिकाविवृतमलाबुद्धयम् (कृतम् gedr.) SARVADARĀNAS. 40, 13. रथो वृतो द्वीपचर्मणा H. 735. धर्मच्छत्रवृतं शठम् R. 4, 16, 16. *umringt, umgeben* RV. 4, 42, 5. निवेशनम् — दण्डिभिः स्थविरैर्वृतम् MBh. 3, 2184. सप्तपर्णी वल्मीकवृतः VARĀH. BRH. S. 54, 20. सभ्यैरेव त्रिभिर्वृतः M. 8, 10. MBh. 1, 5120. 3, 2580. 3, 164. R. 2, 40, 28. 54, 10. 104, 30. R. GORR. 1, 70, 3. 3, 43, 16. 34, 8. VARĀH. BRH. S. 43, 23. KATHĀS. 12, 108, 23, 13. 45, 137. RĀGA-TAR. 6, 182. BHĀG. P. 1, 12, 37. 2, 9, 16. 3, 17, 31. PRAB. 86, 10. BHATT. 5, 10. स्त्रीवृत M. 7, 224. MBh. 1, 8064. fgg. R. 1, 63, 28 (म-रुद्रणवृत zu lesen). 2, 39, 35. RAGH. 12, 61. VARĀH. BRH. S. 48, 48. अवृत *nicht von Andern umgeben, allein* M. 4, 57. वृत *eingeschlossen, zurückgehalten*: सिन्धवः RV. 4, 19, 5. 6, 17, 12. *erfüllt von so v. a. behaftet — versehen mit*: दौषेः M. 8, 77. वृतं राजगुणैः सर्वैरादित्यमिव रश्मिभिः R. 2, 34, 8. BHĀG. P. 1, 11, 13. ऋषेणा मरुता (auch अवृत könnte angenommen werden) MBh. 5, 7544. R. 3, 11, 13. शोकेन मरुता (वृत oder अवृत) 4, 20, 20. वितर्कैर्बहुभिः 61, 21. लज्जा^० (वृत oder अवृत) MBh. 3, 1852. श्रोगो^० KĀM. NĪTIS. 4, 47. mit act. Bed. (nach dem Comm.) *umhüllend* BHĀG. P. 2, 10, 23. Vgl. उर्ध्ववृत. — caus. वारयति, ^०ते (आवरणे) DHĀTUP. 34, 8. ved. अववारीत्, अववीवृत AV. 3, 13, 3. Bed. wie beim simpl. क्तिमेनाग्निं घ्नंसमवारयेथाम् RV. 1, 116, 8. नकिं देवा वारयन्ते न मतीः 4, 17, 19. 8, 70, 3. प्र नूनं धावता पृथङ्कृ यो वो अववारीत् *der ist nicht mehr, der euch gefangen hielt*, 8, 89, 7. 10, 27, 5. AV. 4, 7, 1. अत्तरेवोष्माणो वारयधत्त (vgl. P. 7, 1, 42) AIT. BR. 2, 6. ÇAT. BR. 11, 1, 5, 7. ĀÇV. GĀH. 3, 11, 1. तं वरणाशाखावारयत्त PAÑĀKAV. BR. 5, 3, 9. — क्तिरे च वारयेत्सर्वम् *verstopfen* M. 8, 239. *Jmd abhalten, zurückhalten, abwehren, Jmd wehren*; act. MBh. 1, 5350. प्रविशन्ते न मो कश्चित् — अववारयत् 3, 2158. HARIV. 8217. R. 2, 32, 32. 45, 32 (43, 36 GORR.). 96, 41 (103, 40 GORR.). 5, 61, 8. 63, 8. 6, 99, 26. KĀM. NĪTIS. 4, 45. Spr. 630. 3662. KATHĀS. 26, 247. 37, 148. 38, 37. 40, 15. 49, 37. RĀGA-TAR. 4, 667. PRAB. 22, 2. 53, 11. BHĀG. P. 4, 14, 40. 10, 79, 23. जनं वारयित्वा MBh. 3, 2582. R. 5, 80, 7. MĀRK. P. 37, 111. वारयितुम् R. 2, 23, 30. 23, 2. RĀGA-TAR. 1, 247. pass. MBh. 3, 315. R. 1, 1, 49 (52 GORR.). 2, 34, 23. 3, 42, 46. 4, 8, 39. RAGH. 14, 51. ÇĀK. 88, 7. Spr. 974. KATHĀS. 16, 17. 56, 300. RĀGA-TAR. 5, 463. 6, 2. BHATT. 17, 37. वारित MBh. 1, 150. 2095. 4, 675. 13, 330. fg. HARIV. 8219. Spr. 1353. 1379. 4031. GĪR. 3, 3. KATHĀS. 31, 67. RĀGA-TAR. 4, 231. 6, 345. BHĀG. P. 9, 20, 36. Z. d. d. m. G. 14, 372, 20. Verz. d. Oxf. H. 99, a, 13. न वारयेद्वा धायत्तीम् M. 4, 59. विपालान्पशून् 8, 240. वृकान् RĀGA-TAR. 2, 88. स्वाडुभिस्तु विषये कृतस्ततो दुःखमिन्द्रियगणो हि वारयते RAGH. 19, 49. चेतः PRAB. 94, 13. दृष्टिं तत्रापि वारयन् so v. a. es VI. Theil.

vermeidend *dahin zu sehen* R. GORR. 2, 16, 40. *abhalten — zurückhalten — abwehren von*, mit abl. P. 1, 4, 27. यवेभ्यो गाम् Schol. शोकात् VOP. 3, 20. धर्मात् MBh. 3, 16686. त्रैलोक्यविजयात् HARIV. 8218. देशान् — अज्ञात् R. 5, 34, 18. द्यूतात्, पानात् KĀM. NĪTIS. 16, 15. पुद्गात् KATHĀS. 20, 93. पापात् 61, 293. mit dopp. acc. (vgl. वारयितव्यः) परमं स्थानं वार्यमाणो ऽसकन्मया MBh. 13, 1900. Geschosse *abwehren*: अत्रं वारयामास 3, 7174. fg. शक्तीश्रमणा 7211. 6, 2227 (वारयाण). R. 3, 35, 45. *Etwas zurückhalten, hemmen, verhindern, unterdrücken, beseitigen*: पथा वारयते वेला नृबुधतेयं मरुर्णावम् MBh. 6, 5121. क्रोधो ऽयम् — न शक्यते वारयितुं वेलेव लवणाम्भसा R. 3, 28, 2. कोपामिम् Spr. 160. जलेन ऊतभुजम्, कृत्त्रेण सूर्यातपम्, व्याधिं भेषजसंयत्कैः 2929. सुतकर्म गर्ह्यम् BHĀG. P. 3, 1, 7. बाष्पवगम् R. 4, 8, 19. गतिम् MĀRK. 107, 15. प्रसरम् ÇĀK. 28. विनयवारितवृत्ति (मदन) 44. प्रवाहम् SARVADARĀNAS. 25, 5. सर्वानिन्द्रियकृतान्देषान् WEBER, RĀMAT. UP. 344. fg. वातवर्षातपक्किमान्सकृत्तो वारयन्ति नः BHĀG. P. 10, 22, 32. संदेहम् RĀGA-TAR. 6, 331. मरुत्तेपम् 340. *ausschliessen* KĀR. 8 aus SIDDH. K. zu P. 7, 2, 10. SIDDH. K. zu P. 2, 2, 11. *verbieten, untersagen*: सर्वाणि वादित्राणि MBh. 1, 6976. द्यूतम् 3, 599. *vor-enthalten*: राश्यम् R. GORR. 2, 116, 49. अर्थम् Spr. 4948. वारितवाम KATHĀS. 26, 76. RĀGA-TAR. 3, 417. अवारितम् *ungehemmt, nach Belieben*: अववारितम् । अश्रं प्रववृते KATHĀS. 13, 126. निदाघकाले पानीषे यस्य तिष्ठत्यवारितम् MBh. 13, 3294. दीयतां भुज्यतां चेष्टे दिवारत्रमवारितम् 14, 2686. Vgl. डुर्वारित. — desid. विवरिषति und ^०ते, विवरिषति und ^०ते, वुवूर्षति und ^०ते P. 7, 1, 102. 2, 41. VOP. 8, 99. 12, 3. 19, 3. — intens. वर्वर्मि P. 7, 3, 94. Schol. — अनु *zudecken* पलाशैः ÇĀK. BR. 10, 2. *überdecken, verhüllen, überschütten*: शौर्यैरेस्तमेकमनुवत्रिरे MBh. 6, 3349. *umringen, umgeben*: ताः कृष्णमनुवत्रिरे HARIV. 4093. R. GORR. 2, 43, 12. — caus. med. *hemmen, hindern* AIT. BR. 10, 2. — अय *aufdecken, enthüllen, öffnen* RV. 4, 7, 6. बिलम् 32, 11. गोत्रम् 31, 3. वृत्रम् 10, 7. 10, 28, 7. वल्लम् 2, 14, 3. डुरः 1, 121, 4. ज्योतिः 2, 11, 18. 3, 43, 7. 4, 2, 16. वृत्तिनीः 5, 43, 1. (इषः) अय दारैव वर्षथः 8, 5, 21. 89, 6. अयवावैश्च दाराणि R. ed. Bomb. 5, 12, 16. अया (vgl. RV. PAṚT. 7, 33) वृधिं परिवृतं न राधेः RV. 7, 27, 2. 73, 1. अयं कृष्णो निर्णितं देव्यावः 1. 113, 14. पत्न्यै शिरो ऽपृत्य ÇAT. BR. 14, 1, 4, 16. अयावृतं (vgl. RV. PAṚT. 9, 2) RV. 1, 57, 1. Vgl. अया und अयवर्वा, अयवृत्ति. — caus. *verstecken*: अववारितशरीरं MĀRK. 127, 3. MĀLATĪM. 93, 14. अववारितम् = अववार्य (s. d.) SĀH. D. 423. — Vgl. अयवाराण fgg. — अयि *verhüllen*: अयि वृषोषा जनिमानि वज्रे RV. 3, 38, 8. partic. अयि वृतं *bedeckt, verhüllt, verschlossen* 1, 121, 4. 2, 11, 5. 10, 32, 8. — Vgl. u. वि 2). — अयि, partic. अयि वृतं *umgeben von, eingefasst in*: वज्रं शुक्रिर्भीवत्तम् RV. 3, 44, 5. अयि वृतं कर्शनिः (रथम्) 1, 33, 4. दत्तिपाभिः 8, 39, 5. उद्गा वज्रो अयि वृतः 89, 9. घृतेन यावापृथिवी अयि वृत्ति 6, 70, 4. 10, 73, 2. येन गौरि वृत्ता *bedeckt, beschriften* 1, 164, 29. स्वबलाभिवृतं *umgeben von* R. 6, 92, 83. — caus. *Jmd zurückhalten, abwehren*: तमभ्यवारयत् MBh. 4. 1985. 6, 3762 nach der Lesart der ed. Bomb. (संवारयिजूनभिवारयित्वा). — अया *bedecken, verhüllen* ÇYRĀÇV. UP. 6, 10. Suçr. 1, 168, 15 (absol.). पटा-